

AstroHelpDesk



आपका नाम और अंक

Review Demo

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

गणना सारणी में जन्म तारीख और नाम का मूल हिसाब है। नीचे हर अंक का अर्थ एक बार है; जहाँ वह अंक आए वहाँ उसी अर्थ को उसकी भूमिका में पढ़ें।

इस संस्करण में तालिकाओं में दिए नाम और जन्म तारीख के अंकों का अर्थ है। ग्रह-बल और गोचर के दौर कुंडली और समय रिपोर्ट के विषय हैं; वे अंक-ज्योतिष के परिणाम नहीं हैं।

गणना और अर्थ पढ़ें →

आपका फलादेश एक नज़र में

मुख्य ध्यान

गणना सारणी में जन्म तारीख और नाम का मूल हिसाब है। नीचे हर अंक का अर्थ एक बार है; जहाँ वह अंक आए वहाँ उसी अर्थ को उसकी भूमिका में पढ़ें।

आपका मौजूदा दौर

—

अगला दौर

तारीख वाला दौर उपलब्ध नहीं

यह करें

एक छोटा कदम चुनें और देखें कि क्या बदलता है।

जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · जयपुर, भारत

नीचे हर बात के साथ कुंडली के संकेत हैं। भरोसे का स्तर व्याख्या का आधार बताता है, सफलता की मापी हुई संभावना नहीं।

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अध्याय 01

आपके अंक · निजी सार

गणना सारणी में जन्म तारीख और नाम का मूल हिसाब है। नीचे हर अंक का अर्थ एक बार है; जहाँ वह अंक आए वहाँ उसी अर्थ को उसकी भूमिका में पढ़ें।

अध्याय 02

आपके नाम की वर्तनी और विकल्प

इसे अपनाएँ: वह वर्तनी रखें जिसे लोग बोल, याद और आपके कागजात से मिला सकें। अपने विकल्प जोड़कर अंक तुलना करें; किसी विकल्प को निश्चित भाग्यशाली सुधार नहीं माना गया है।

अंक कैसे निकाले गए

पूरी तारीख से जीवन-पथ और जन्म के दिन से जन्म-दिन अंक निकलता है। जन्म और नाम के बार-बार अंक-योग में 11, 22 और 33 रखे जाते हैं। व्यक्तिगत चक्र पूरी तरह 1-9 तक घटते हैं। नाम में A-I को 1-9 मानकर यही क्रम Z तक दोहरता है; A, E, I, O और U स्वर तथा Y व्यंजन है। विराम चिह्न और खाली स्थान नहीं गिने जाते।

अध्याय 04

मूलांक और भाग्यांक

अध्याय 05

कैल्डियन नाम की तुलना

ये समूह अंग्रेज़ी के अक्षर हैं। नाम की अंग्रेज़ी वर्तनी के इन्हीं अक्षरों से अंक जोड़े गए हैं; ये हिंदी वर्णमाला के अक्षर नहीं हैं।

अक्षर मान: 1 AIJQY; 2 BKR; 3 CGLS; 4 DMT; 5 EHNX; 6 UVW; 7 OZ; 8 FP। किसी अक्षर का मान 9 नहीं। वर्तनी से गणित बदलता है, तय घटनाएँ नहीं।

अध्याय 06

1 • पहल

एक शुरुआत, दिशा चुनने और उसकी जिम्मेदारी लेने का भाव है। इसका उपयोगी रूप स्पष्ट पहला कदम और अपना माना जा सकने वाला नतीजा है। काम में तथ्य देखकर थोड़े शब्दों में सुझाव देना सीखें। संबंध में अपनी पसंद कहें और दूसरे के उत्तर की जगह रखें। जल्दी ज़िद बनने लगे तो उपयोगी निर्णय और हर बात अपने नियंत्रण में रखने की इच्छा अलग करें। छोटा स्वतंत्र काम इस विषय को व्यावहारिक रूप और दिखाई देने वाली प्रगति देता है।

अध्याय 07

2 • सहयोग

दो सुनने, सही समय और दो लोगों के बीच संतुलन का विषय है। उपयोगी कौशल है मतभेद बढ़ने से पहले अंतर पहचानना और उसे चर्चा योग्य शब्द देना। साझा काम में दोनों का योगदान तय करें। सद्भाव की इच्छा अपनी पसंद टाल सकती है; उसे समय पर और सहज ढंग से कहें। ऐसी बातचीत चुनें जिसमें दोनों पूरा उत्तर दे सकें। भावना के साथ स्पष्ट व्यवस्था और छोटा निभने वाला वादा हो तो सहयोग भरोसेमंद बनता है।

अध्याय 08

3 • अभिव्यक्ति

तीन विचार को शब्द, प्रस्तुति और रचनात्मक संवाद से जोड़ता है। कठिन बात दूसरे के लिए सरल बनाना इसका उपयोगी रूप है। बारीकी जोड़ने से पहले मुख्य संदेश लिखें और विषय से अनजान व्यक्ति पर परखें। उत्साह से कई अधूरी शुरुआत हों तो एक रचना पूरी करके साझा करें। दोस्ती में हास्य और जिज्ञासा के साथ गंभीर बात की अलग जगह रखें। हर सप्ताह लिखना, सिखाना या रचना का अभ्यास इस भाव को प्रतिक्रिया से सुधरने वाला कौशल बनाता है।

4 • व्यवस्था

चार क्रम, व्यावहारिक व्यवस्था और भरोसेमंद चीज बनाने का भाव है। बड़े उद्देश्य को जिम्मेदार, समय और पूरे होने के निशान वाले चरणों में बाँटें। अच्छा लेखा और नियमित तरीका अधिक उपयोगी काम के लिए ऊर्जा बचाते हैं। कठिन रूप कठोरता है: समस्या बदलने के बाद भी पुराना तरीका पकड़े रहना। सामान्य व्यस्त सप्ताह के बाद प्रक्रिया देखें और बिना लाभ मेहनत बढ़ाने वाला चरण सरल करें। समझा और निभाया जा सकने वाला मानक विश्वसनीयता बढ़ाता है।

5 • लचीलापन

पाँच बदलाव, अनुभव और परिस्थिति के अनुसार ढलने का विषय है। जिज्ञासा को उपयोगी परीक्षण दें: विचार का छोटा रूप आजमाएँ और सीख लिखें। काम में अलग वातावरण के लोगों से संवाद या विविधता वाला काम उपयोगी हो सकता है। हर नया विकल्प अधूरी जिम्मेदारी की जगह लेने लगे तो बेचैनी खर्च बढ़ाती है। बदलाव खोजते समय दिन का एक नियमित आधार रखें। तय यात्रा, छोटा अध्ययन या समय-सीमा वाला प्रयोग स्वतंत्रता को व्यावहारिक रूप और परिणाम की तुलना देता है।

6 • देखभाल

छह जिम्मेदारी, स्नेह और साझा सहज जीवन को जोड़ता है। सच में जरूरी मदद पहचानें और अपना निभने वाला हिस्सा तय करें। परिवार या टीम में बड़ा दिखावा करने से अधिक उपयोगी नियमित व्यवस्था हो सकती है। कठिन रूप है दूसरे के चुनाव की जिम्मेदारी लेना या एक खास तरह के आभार की उम्मीद रखना। काम खुलकर बाँटें और अलग पसंद की जगह रखें। घर का छोटा सुधार, नियमित बातचीत और सीमा वाली सेवा देखभाल को टिकाऊ बनाते हैं।

7 • खोज

सात गहराई, निरीक्षण और अपने लिए प्रश्न समझने का विषय है। पढ़ने और विश्लेषण का शांत समय रखें, फिर निष्कर्ष सरल शब्दों में लिखें। प्रश्न किसी असली निर्णय को दिशा दे तो खोज उपयोगी होती है। निजता ध्यान बढ़ाती है, पर बहुत दूरी सहयोग कठिन करती है। दूसरों को बताएँ कि क्या जाँच रहे हैं और कब उत्तर देंगे। एक विषय लंबे अध्ययन के लिए चुनें और सोच बदलने वाले प्रमाण का लेखा रखें। इससे चिंतन का उद्देश्य और परिणाम स्पष्ट होते हैं।

8 • जिम्मेदारी का प्रबंधन

आठ साधन, अधिकार और बड़ी जिम्मेदारी के परिणाम का विषय है। अपनी संपत्ति, देनदारी और अगले निर्णय के जिम्मेदार का सही लेखा बनाएँ। काम में सँभाला, मापा और जारी रखा जा सकने वाला परिणाम उपयोगी है। अधिकार के साथ जवाबदेही जुड़ने पर महत्वाकांक्षा अच्छी तरह काम करती है। कठिन रूप है हर संबंध को केवल पद और धन से देखना। तुलना में बराबरी, समय और निजी सीमा भी रखें। बजट, टीम की जिम्मेदारी और लंबे समझौते की जारी शर्तें स्पष्ट करें।

9 • व्यापक दृष्टि और सेवा

नौ अनुभव को व्यापक मानवीय उद्देश्य से जोड़ता है। शिक्षण, सेवा, रचनात्मक योगदान या पूरा उद्देश्य निभा चुके काम को समाप्त करना इसका रूप हो सकता है। एक व्यक्ति या उद्देश्य चुनें और अपना योगदान स्पष्ट करें। बड़ा सरोकार छोटे काम और सही सीमा से सँभलता है। कठिन रूप है हर समस्या को अपनी जिम्मेदारी बना लेना। अपने काम के लिए समय और साधन बचाएँ। स्पष्ट समापन, साझा सीख और नियमित छोटी सेवा इस भाव को टिकाऊ रूप देती है।

11 • संवेदनशील ध्यान

22 • बड़े काम की व्यवस्था

बाईस में चार की व्यवस्था बड़े साझा काम तक जाती है। महत्वाकांक्षा को उपलब्ध लोगों और साधनों से पूरे होने वाले चरणों में बाँटें। निर्णय का अधिकार, पूरा होने का अर्थ और अटका काम सँभालने का तरीका तय करें। असली जरूरत की व्यवस्थित सेवा इसका उपयोगी रूप है। कल्पित परिणाम अगले निभने वाले कदम से बहुत बड़ा हो तो दबाव बढ़ता है। पहले छोटा पूरा रूप बनाएँ और भरोसेमंद प्रक्रिया मिलने पर विस्तार करें। महाअंक का जोर सामान्य तैयारी की जरूरत बनाए रखता है।

33 • जिम्मेदारी के साथ प्रोत्साहन

तीस में छह की देखभाल शिक्षण, प्रोत्साहन और आसपास का जीवन सुधारने की इच्छा बनती है। मदद स्पष्ट करें और पूछें कि सामने वाला उसे चाहता है या नहीं। शिक्षक का धैर्य और सीखने वाले की स्वतंत्रता साथ हों। कठिन रूप है स्नेह को लगातार त्याग समझना या सलाह के बाद परिणाम की पूरी जिम्मेदारी लेना। समय और धन की सही सीमा रखें। दूसरे के काम आने वाला नियमित योगदान सब कुछ सुलझाने के वादे से अधिक उपयोगी है। महाअंक का पाठ स्पष्ट और निभने वाले आचरण से देखभाल को जोड़ता है।

अंक को उसकी सही भूमिका में पढ़ें

जीवनपथ में पूरी जन्म तारीख से व्यापक प्रतीकात्मक विषय मिलता है। जन्मदिन का अंक जन्म के कैलेंडर दिन पर जोर देता है। पूरे नाम का अंक दी वर्तनी से है और स्वर तथा व्यंजन का जोड़ उसी वर्तनी के दो हिस्से हैं। व्यक्तिगत वर्ष, महीने और दिन में उसी अर्थ का संदर्भ बदलता है। पहले भूमिका पढ़ें, फिर एक बार दिए अर्थ पर लौटें। जीवनपथ और व्यक्तिगत वर्ष दोनों में चार हो तो व्यवस्था का वही विषय दो भूमिकाओं में है। अनुच्छेद दोहराने से नई जानकारी कम मिलती है। अर्थ लगाने के लिए असली प्रश्न लें और अपने चुने काम का छोटा लेखा रखें।

वर्तनी की तुलना व्यावहारिक रखें

आचरण में छोटा उपयोग करें

सार में प्रमुख एक अंक चुनें और उसका अर्थ ध्यान से पढ़ें। सामान्य सप्ताह के लिए छोटा काम लें: चार में काम व्यवस्थित करना, तीन में स्पष्ट समझाना और छह में जिम्मेदारी बाँटना। शुरुआत की परिस्थिति, अपना काम और सीधे देखा परिणाम लिखें। दूसरे कारण भी नोट में रखें ताकि तुलना ईमानदार रहे। पूरा काम, साफ बातचीत और अधिक निभने वाली दिनचर्या उपयोगी परिणाम हैं। तय समय पर अभ्यास देखें और मदद मिली हो तो आदत रखें। इससे प्रतीकात्मक पाठ उपयोगी चिंतन देता है और महत्वपूर्ण निर्णय जीवन के असली तथ्यों पर रहते हैं।

एक बात साथ रखें

इस फलादेश से एक साफ अगला कदम चुनें।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

शान्ति की वैकल्पिक प्रार्थना।

AstroHelpDesk

व्यक्तिगत संस्करण

17 अक्टू 2026

व्यक्तिगत संस्करण

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शानि • शान्ति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु • मिश्रित स्वामित्व • पहले विशेषज्ञ से जाँच रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफ़ायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ा है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि • गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

शब्दार्थ • सरल अर्थ

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।